भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 11.02.2019

कक्षाओं व कमरों में पुराने छात्र हुए भावुक

वाराणसी | निज संवाददाता

जिन कक्षाओं में गुरुओं ने विषय और पाठ्यक्रमों की पेंचीदगी को आसान बना दिया था, जिन कमरों में हंसी-मजाक के बीच जीवन के लक्ष्य के प्रति गंभीर होने की प्रेरणा मिली, 50 साल बाद वे कक्षाएं और कमरे सामने आए तो आंखें नम हो उठीं। गला अवरुद्ध हो गया। यह दृश्य रविवार को आईआईटी बीएचयू में दिखा। मौका था ग्लोबल एलुमिनी मीट और संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह का जिसमें सन-1969 बैच के 50 से अधिक छात्रों ने अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उनके साथ उनकी पत्नियां और बच्चे भी थे।

आईआईटी-बीएचयू के शताब्दी समारोह में निकली यात्रा में शामिल सन-69 बैच के छात्र।

हॉस्टल और कक्षाओं में घूमने के पहले पुरातन छात्रों ने स्वतंत्रता भवन सभागार में महामना मालवीय के प्रति कृतज्ञता जाहिर की तो उनकी आंखें नम थीं। उनकी खट्टी मीठी यादों में देश के भावी इंजीनियरों के लिए कई नसीहत भी थी। पुराने छात्र परिवार संग कैंपस की सड़कों पर टहले तो कुल्हड़ में चाय की चुस्कियों के साथ पुराने दिनों को याद किया। संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर इन छात्रों को सम्मानित किया। पुरातन छात्र बेंको की चिमनी, चाय पीने के ठिकानों के बारे में बताते हुए भावुक दिखे। डायमंड एक्सप्रेस कारवॉश के मालिक एनसी जैन व नॉर्वेस्ट वेंचर पार्टनर्स के सदस्य मोहन कुमार ने छात्रों को मेहनत से काम करने की सलाह दी। एनसी जैन अब तक संस्थान के छात्रों को एक लाख डॉलर की छात्रवृत्ति प्रदान कर चुके हैं।

भविष्य की चिंता

खींचा सौ साल के विकास का खाका

आईआईटी के पुरातन छात्रों संग पैनल डिस्कशन के बाद संस्थान ने अगले सौ वर्ष के विकास का लक्ष्य बनाया। संस्थान की समाज में प्रभावी भूमिका जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। पुरातन छात्रों ने कहा कि आज हर विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग आवश्यक हो चुका है। इस क्षेत्र में अहम भूमिका पर आईआईटी बीएचयू को विचार करना होगा।

नॉलेज कॉन्क्लेव में दी नसीहत

नॉलेज कान्क्लेव में पुरातन छात्रों ने भावी इंजीनियरों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति आगाह किया तथा कई उपयोगी सुझाव दिए। मोहन कुमार ने छात्रों को स्टार्टअप कल्चर का महत्व समझाया। कहा कि यदि आइडिया अच्छी है तो निवेशक भी मिलेंगे। पैनल चर्चा में सिस्को के वीपी विश्वनाथन अय्यर, जनरल मोटर्स के वी नारायणन, काज वेंचर्स के बीवी जगदीश आदि रहे।

आईआईटी बीएचयू में दिखे 'वैज्ञानिक' महामना

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में वसंत पंचमी को निकली शताब्दी वर्ष की झांकी में महामना के दूरदर्शी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की झलक मिली। इस झांकी में आईआईटी के छात्रों की बनाई गई ग्रीन कार, प्रोटोटाइप कार, ड्रोन, कॉप्टर का प्रदर्शन किया गया। झांकी में सबसे आगे उड़ रहा ड्रोन शताब्दी वर्ष का लोगो लिए हुए था। झांकी में धान कटाई की मिनी मशीन, साइकिलिंग द्वारा आटा पिसाई की मशीन समेत कई उपकरणों का प्रदर्शन हुआ। ऑडियो-वीडियो के जरिये संस्थान की उपलब्धियों, सामाजिक कार्यों और भविष्य की योजनाओं की झलक दिखी तो ग्लास, सीमेंट, खनिज, धातुकीय, फार्मेसी समेत अभियांत्रिकी की विविध विधाओं का प्रदर्शन हुआ। अपने स्थापना काल से ही यह संस्थान मानव जीवन को सरल एवं सुगम बनाने के लिए नए तकनीकी शोध में संलग्न है। झांकी का विशेष आकर्षण देश-विदेश से आए 300 पुरातन छात्र और उनके परिवार के सदस्य रहे।